छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

डाक– 7 दिसंबर, शुक्रवार 2018

वर्ष–21 अंक–188 | बिलासपुर, गुरुवार 6 दिसंबर 2018 | पृष्ठ–8 मूल्य–2 रुपया | ❑ बिलासपुर ❑ रायपुर ❑ जगदलपुर से प्रकाशित

अमृतसर ट्रेन हादसे में सिद्धू परिवार को क्लीन चिट!

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर में दशहरे के दिन हुए अमृतसर ट्रेन हादसे की जांच में क्लीन चिट मिलने की खबरों पर डॉ. नवजोत कौर सिद्धू का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि सिद्धू परिवार के नाम को खराब करने की कोशिश की जा रही है। मुझे किसी कार्यक्रम में चीफ गेस्ट बुलाया जाता है और वहां कोई हादसा हो जाता है, तो उसके लिए मैं जिम्मेदार कैसे हो सकती हूं।

डॉक्टर ने 35 कि.मी. दूर बैठकर रोबोट से किया दिल का ऑपरेशन

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसी)। चिकित्सा क्षेत्र में गुजरात के एक हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ तेजस पटेल ने टेलीरोबोटिक ऑपरेशन के जरिए 35 किलोमीटर दूर एक मरीज का ऑपरेशन कर विश्वकीर्तिमान बनाया है। डॉ तेजस ने गांधीनगर में बैठकर अहमदाबाद के अस्पताल में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि 35 किलोमीटर दूर से बैठकर टेली रोबोट के जरिए किया गया यह विश्व का अपनी तरह का पहला ऑपरेशन है।

ब्रेकिंग न्यूज

आधे शहर में कल जलापूर्ति नहीं होगी

रायपुर,6 दिसंबर। राजधानी के आधे शहर में शुक्रवार को जलापूर्ति नहीं होगी। भाठागांव स्थित फिल्टर प्लांट में आवश्यक मेंटेनेंस कार्य होने के कारण शहर के 19 टंकियों में पानी भराव नहीं हो पाएगा। नगर निगम के भाठागांव स्थित फिल्टर प्लांट में कल शुक्रवार को 150 एमएलडी शुद्ध जलसंयंत्र के पंप नंबर 5 में बटर फ्लाई वाल्व बदलने एवं सागर इंटेकवेल के सब स्टेशन में संधारण का कार्य किया जाएगा। इसके चलते शहर के करीब 19 पानी टंकियों से सप्लाई बंद रहेगी। फिल्टर प्लांट के सूत्रों ने बताया कि कल 7 दिसंबर शुक्रवार को भाठागांव स्थित फिल्टर प्लांट में आवश्यक रख-रखाव के चलते तथा कुछ संधारण कार्य के चलते जलापूर्ति प्रभावित होगी। 150 एमएलडी शुद्ध जलसंयंत्र के पंप नंबर 5 में बटर फ्लाई वाल्व बदलने एवं सागर इंटेकवेल के सब स्टेशन में आवश्यक मेंटनेंस कार्य सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस दौरान इस स्टेशन में जलभराव नहीं हो पाएगा। लिहाजा इससे जुड़े भाठागांव चंगोराभाठा, डीडी नगर ईदगाहभाठा सरोना, टाटीबंध, हीरापुर कबीरनगर कोटा, गोगांव, मठपुरैना, लालपुर अमलीडीह, अवंति विहार, मंडी कुशालपुर, मोवा, सड्डु और दलदल सिवनी के जलागारों में जलापूर्ति नहीं हो सकेगी। लिहाजा इससे जुड़े इलाकों में पानी की सप्लाई प्रभावित होगी।

महिला आरक्षण विधेयक पर सहमति बनाने बीजद नेता 22 दलों से करेंगे संपर्क

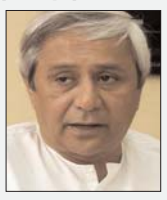

भुवनेश्वर, 6 दिसंबर (एजेंसी)। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल ने संसद में लंबित महिला आरक्षण विधेयक पर सर्वसम्मति बनाने के लिए कांग्रेस और भाजपा समेत 22 राजनीतिक दलों के साथ बातचीत करने का फैसला किया है। पार्टी के नेताओं ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में बीजद ने एक बैठक में फैसला किया कि उनके प्रतिनिधि सात राष्ट्रीय पार्टियों और 15 क्षेत्रीय पार्टियों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। बैठक में संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर अभियान तेज करने की पार्टी की रणनीति पर चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बीजद के इस कदम को 'बहानेबाजी' बताकर उसकी आलोचना की। विभिन्न पार्टियों के प्रतिनिधियों से मिलने वाले बीजद नेताओं की सूची में कई सांसदों के नाम शामिल हैं, लेकिन इसमें पटनायक का नाम नहीं है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब एक दिन पहले ही पटनायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर संसद में महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया था।

कुमारस्वामी मंत्रिमंडल में 22 को होगा विस्तार

बेंगलुरू, 6 दिसंबर (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन ने बुधवार को घोषणा की कि एच डी कुमारस्वामी मंत्रिमंडल का विस्तार 22 दिसंबर को होगा। गठबंधन की समन्वय समिति ने यह फैसला लिया। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया की अध्यक्षता में समिति की बैठक हुई। सिद्दरमैया ने समिति की दो घंटे तक चली बैठक के बाद यहां पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल विस्तार की तारीख पर फैसला लेने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और जेडीएस सुप्रीमो एच डी देवगौडा से सलाह मशविरा किया गया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के छह सदस्यों और जेडीएस के दो सदस्यों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। उसी दिन विधायकों को प्राधिकरणों और बोर्डों में प्रमुख नियुक्त करने का फैसला किया गया है। यह कुमारस्वामी मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार होगा।

चूहा- सुनती हो, 11 तारीख को चुनाव परिणाम आने वाला है।

चुहिया- हां जी, नेताओंकी बेचैनी बढ़ती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस कुरियन के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसी)। सेवानिवृत जज कुरियन जोसेफ के मीडिया इंटरव्यू की जांच मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। जल्द सुनवाई की मांग वकील शशांक देव ने की थी। देव ने आरोप लगाया है कि जोसेफ ने कहा था कि पूर्व सीजेआई दीपक मिश्रा को कोई बाहर से नियंत्रित कर रहा है।

बता दें सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज कुरियन जोसेफ ने कहा था कि उन्होंने तीन जजों के साथ 12 जनवरी को प्रेस कांफ्रेस इसलिए की क्योंकि उन्हें लगा कि उस समय के मुख्य न्यायधीश दीपक मिश्रा को कोई बाहर से नियंत्रित कर रहा था और वह राजनीतिक पूर्वाग्रह के साथ न्यायाधीशों को मामले आवंटित कर रहे थे। उच्चतम न्यायलयों के जजों ने प्रेस कांफ्रेंस करके तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा के कामकाज और चुनिंदा जजों को मामले आवंटित करने पर सवाल उठाए थे। इसके अलावा प्रेस कांफ्रेंस में जस्टिस लोया की कथित संदिग्ध मौत जांच की सुनवाई जस्टिस अरुण मिश्रा की बेंच को आवंटित करने पर भी सवाल उठाए गए थे। जस्टिस चेलमेश्वर के साथ झगड़े के बाद जस्टिस अरुण मिश्रा ने खुद को इस मामले से बाद में अलग कर लिया था। जब जस्टिस कुरियन से पूछा गया कि क्या प्रेस कॉन्फ्रेंस करने फैसला सभी ने मिलकर लिया था तो उन्होंने कहा, यह विचार जस्टिस चेलमेश्वर का था लेकिन हम तीनों इससे सहमत थे। बता दें कि इस प्रेस कांफ्रेस के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली विपक्षी दलों ने तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव राज्यसभा के अध्यक्ष वेंकैया नायडू के सामने

किरण बेदी के निर्णय को रखा बरकरार

कांग्रेस को पुडुचेरी में बड़ा झटका

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देश की पहली महिला आइपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की उप-राज्यपाल किरण बेदी के निर्णय को बरकरार रखा है। किरण बेदी ने विधानसभा में तीन विधायकों को मनोनीत किया था। इस मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि उपराज्यपाल के पास विधायकों को मनोनीत करने का अधिकार है। दरअसल, कांग्रेस ने किरण बेदी के फैसले को चुनौती देते हुए कहा था कि उपराज्यपाल को विधायक मनोनीत करने से पहले सत्ताधारी पार्टी के साथ विचार-विमर्श करना चाहिए था। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, जो संविधान के खिलाफ है।

पिछले साल राज्यपाल किरण बेदी ने तीनों विधायक एस.स्वामीनाथन, के.जी.शंकर और वी सेल्वागणपति को विधानसभा सदस्य नामित किया था। इसको लेकर मुख्यमंत्री वी नारायणस्वामी और कांग्रेस नेताओं ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद मामला कोर्ट पहुंचा। हालांकि मद्रास उच्च न्यायालय ने तीनों के नामांकन को वैध करार दिया था, इसके बावजूद उन्हें 26 मार्च को विधानसभा के अंदर घुसने नहीं दिया गया।

इस नामांकन को विधायक धनालक्ष्मी ने उच्च न्यायालय में यह कहते हुए चुनौती दी थी कि पुडुचेरी के मुख्यमंत्री से परामर्श किए बिना नियुक्तियां की गईं। हालांकि, 22 मार्च को मद्रास उच्च न्यायालय ने तीनों विधायकों की नियुक्ति को बरकरार रखा। साथ ही, नामांकन को वैध करार दिया, इसके बावजूद उन्हें 26 मार्च को विधानसभा परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया।

आतंकियों से ज्यादा सड़कों के गड्ढों से मर रहे लोग

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसी)। आतंकियों के हमलों से ज्यादा लोग सड़कों के गड्ढे में गिरकर मरते हैं। सड़कों के गड्ढे इतने ज्यादा खतरनाक होते जा रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट भी इस मसले पर चिंता जाहिर किया। गुरुवार को कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में जितने आतंकी हमलों में नहीं मरते हैं, उससे ज्यादा सड़कों के गड्ढे में गिरकर आम लोग मर जाते हैं।

आलोक वर्मा के खिलाफ जांच को अंजाम तक लेकर जाए सरकार

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसी)। सीबीआई निदेशक आलोक वर्मा से अधिकार वापस लेने और उन्हें छुट्टी पर भेजने के सरकार के फैसले के खिलाफ उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने कहा कि अटार्नी जनरल ने उन्हें बताया है कि इस स्थिति के पीछे के हालात जुलाई में बने। कोर्ट ने कहा कि सरकार की कार्रवाई की भावना संस्थान के हित में होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसा नहीं है कि सीबीआई के दो अधिकारियों का झगड़ा रातों रात सामने आया है। उधर, विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि निदेशक आलोक वर्मा के खिलाफ सीवीसी जांच को तर्कपूर्ण अंजाम तक लेकर जाए सरकार। वर्मा की याचिका पर सुनवाई के दौरान सीवीसी ने न्यायालय को बताया कि सीवीसी ने जांच शुरू की लेकिन सीबीआई निदेशाक आलोक वर्मा ने महीनों तक दस्तावेज नहीं दिए। सीवीसी ने न्यायालय से कहा, यदि सीवीसी कार्रवाई नहीं करेगी तो वह राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट के प्रति जवाबदेह होगी। सीवीसी ने कहा, सीवीसी को जांच करने का अधिकार प्राप्त है, वरना वह कर्तव्य से विमुख होने की दोषी होगी।

नान घोटाले में आरोपियों के खिलाफ चालान पेश

गिरफ्तारी वारंट जारी

हाईवे चैनल

रायपुर, 6 दिसंबर। प्रदेश में चर्चित नागरिक आपूर्ति निगम (नान) घोटाले में आईएएस अफसर आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा भी आरोपी बनाए गए है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने बुधवार को दोनों अफसरों को फरार बताते हुए विशेष जज लीना अग्रवाल की कोर्ट में पूरक चालान पेश किया। कोर्ट ने पूर्व में दोनों को हाजिर होने का नोटिस भी जारी किया था, लेकिन वे अनुपस्थित रहे। पूरक चालान में ईओडब्ल्यू ने घोटाले में दोनों अफसरों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने का दावा किया है। सूत्रों के अनुसार टुटेजा अब हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाने की तैयारी में है। नान में फरवरी 2015 में ईओडब्ल्यू और एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने छापा मारा था। लोक अभियोजक योगेन्द्र ताम्रकार ने बताया कि शुक्ला और टुटेजा की 27 नवंबर को पेशी थी, लेकिन नोटिस तामील नहीं हो पाया। दोबारा नोटिस पर 5 दिसंबर को भी कोर्ट नहीं पहुंचे।

बीमारी का हवाला देकर टुटेजा ने 19 दिन की छुट्टी ले ली है। यदि दोनों लगातार कोर्ट में पेश नहीं हुए तो गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है।

मिशेल को बचाने वकीलों की फौज

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसी)। अगस्ता-वेस्टलैंड मामले पर भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कांग्रेस पर जमकर हमला बोला. बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अगस्ता-वेस्टलैंड के बिचौलिए मिशेल के भारत में लैंड करते ही कांग्रेस के सारे वकील बचाने में लग गए. करीब 3600 करोड़ के चॉपर घोटाले को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि मिशेल के भारत आने कांग्रेस की नींद उड़ गई है. कांग्रेस के सारे वकील उसे बचाने में लग गए हैं.

पांच साल पहले प्रेमिका की हत्या कर भागा आरोपी पकड़ाया

अपचारी बालक गिरफ्तार

भिलाई, 6 दिसंबर (हाईवे चैनल)। हत्या का आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ा। पांच साल से वह पुलिस के आंख में धूल झोंककर दूसरे राज्य में रह रहा था। पुलिस को भनक लगते ही आरोपी को धरदबोचा। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पांच साल पहले प्रेमिका की हत्या करके भागे आरोपी को गुरुवार को पुलिस ने खोज निकाला। आरोपी हत्यारा प्रेमी प्रयागराज के गंगा घाट में साधु बनकर रहा था। जब पुलिस ने उसके पास पहुंची तब वह साधुओं की भीड़ में पूजा करवा रहा था। सीएसपी भिलाई नगर श्याम सुंदर शर्मा ने बताया कि मामला 2013 का है। 2013 में रामनगर इंदिरा चौक निवासी आरोपी ने मामूली विवाद में अपनी प्रेमिका की किराए के मकान में हत्या कर दी थी। जिसके बाद से वह फरार था। प्रेमिका की हत्या करने वाला आरोपी युवक प्रयागराज (इलाहाबाद) में रहने लगा था। पुलिस ने बताया कि 2013 के बाद से उसका कोई पता नहीं था। अचानक मुखबिर से सूचना मिलते ही टीम गठित करके इलाहाबाद भेजा गया। जहां आरोपी युवक साधु बनकर गंगा घाट में पूजा कराते हुए मिला। वहीं से उसे हथकड़ी पहनाकर भिलाई लाया गया। आरोपी की शिनाख्त के लिए गुरुवार सुबह उसे रामनगर स्थित उसके निवास पर ले जाया गया। जहां परिजनों ने आरोपी की पहचान की।

अपचारी बालक ही हत्यारा निकला। हत्या के आरोप में पुलिस ने उसे धरदबोचा है। आज पत्रवार्ता में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर विजय पांडेय ने बताया कि रानीतराई क्षेत्र के ग्राम असोगा में ग्रामीण मानसिंग साहू पिता शिवप्रसाद की हत्या अज्ञात आरोपी द्वारा की गई थी। जिस पर थाना रानीतराई जांच में जुटी हुई थी। पूछताछ के दौरान ग्राम असोगा के ही विधि के साथ संघर्षरत किशोर ही हत्यारा निकला। किशोर बचपन से ही नशा करने का आदि था। बहुत बार गांव में ही चोरी करते हुए पकड़ा गया था लेकिन गांव वालों द्वारा बच्चा समझ कर समझाबुझा कर छोड़ दिया था। 1 दिसंबर को किशोर को दोपहर मानसिंह साहू के घर में चोरी की नियत से कमरे में पहुंच कर सामानों की तलाशी कर रहा था, उसी समय मानसिंह साहू खेत से वापस आकर अपने घर का ताला खोलकर घर में प्रवेश किया। उसने किशोर को देख उससे झड़प की। किशोर ने मानसिंह के घर में रखे बांस के डंडे से उसके गले को दबाकर हत्या कर दी, फिर दीवाल फांद भाग निकला। घटना के बाद किशोर भयभीत था और अपने दोस्तों के साथ इस बात की चर्चा भी की।

कांग्रेस और भाजपा में शिकायतों का दौर जारी

चुनाव परिणाम आने के बाद हो सकती है कार्रवाई

धमतरी, 6 दिसम्बर (हाईवे चैनल)। कांग्रेस और भाजपा में शिकायतों का दौर जारी है। जिसे लेकर माना जा रहा है कि चुनाव परिणाम आने के बाद इसका असर भी दिखाई दे सकता है। और कुछ लोगो पर कार्यवाही की गाज भी गिर सकती है। ये कार्यवाही चुनाव में साथ देने और न देने वालो की समीक्षा के बाद होगी।

गौरतलब हो कि कांग्रेस ओर बीजेपी में टिकट वितरण के बाद बहुत से पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता नाराज हुये थे।इसी नाराजगी का परिणाम था।जो कुछ लोगो ने अपना अलग रास्ता चुना और पार्टी से रिश्ता तोड़ लिया। मगर बहुत से ऐसे भी लोग थे।जो पार्टी से अलग तो नही हो सके। मगर उनके दिल मे कही न कही नाराजगी का कब्जा था। फिर उन्होंने अपनी नाराजगी को नजरअंदाज कर पार्टी हित मे काम भी किया।मगर दिलचस्प बात ये है कि ऐसे लोगो को पार्टी के ही कुछ लोग सन्देह की निगाह से देख रहे है।बल्कि उनके नामो की सूची भी तैयार

चुनाव में साथ किसने दिया किसने नही हो रही समीक्षा

की जा रही है।जिन पर कार्यवाही कराने की भी तैयारी है।एक हिसाब से ये बोला जाये कि उनकी उपर शिकायत भी की जा रही है।कांग्रेस और बीजेपी दोनो ही पार्टी का ये हाल है।ये अलग बात है कि उपर बैठे पदाधिकारी उन पर कार्यवाही करते है या नही। मगर फ्लिहाल कांग्रेस और बीजेपी में शिकायतों का दौर चल ही रहा है।जिसका असर 11 दिसम्बर के बाद नजर आ सकता है।

कौन है सन्देह के घेरे में

सन्देह के घेरे में कौन कौन है ये तो अब तक स्पष्ट नही हुआ है।मगर पार्टी सूत्रों की माने तो यदि कार्यवाही होती है।तो उसकी जद में छोटे बड़े पदाधिकारी भी आ सकते है।मालूम हो कि हर पार्टी में अलग अलग खेमा रहता है।कांग्रेस बीजेपी दोनो पार्टी में भी ऐसे बहुत से खेमे है।तो चर्चा यही हो रही है कि पार्टी के ऐसे कुछ विशेष खेमो के पदाधिकारी कार्यकर्ता निशाने पर है। जिन की गतिविधियों को सन्दिग्ध मानकर उन पर कार्यवाही कराने की तैयारी चल रही है। हालांकि हर चुनाव में और चुनाव के बाद ये चर्चा तो होती है।कि किसने साथ दिया और किसने नही।जिसे आम बोलचाल की भाषा मे गड्डा करना या फिर भीतरघात भी कहा जाता है।कांग्रेस बीजेपी में इसी के मद्देनजर ये तैयारी चल रही है। कि ऐसे लोगो पर कार्यवाही करानी जरूरी है।कहा ये भी जा रहा है।कि चुनाव के परिणाम जो भी आये। पर इस कार्यवाही का होना तय है। बहरहाल अब चुनाव परिणाम आने को भी ज्यादा दिन नही बचे है।उसके बाद पता चल जायेगा। कि कौन कौन सी पार्टी किस पर क्या कार्यवाही करती है।

यातायात पुलिस का अभियान, स्कूली छात्र-छात्राओं को दौड़ा-दौड़ा कर पकड़े

हाईवे चैनल

रायपुर, 6 दिसंबर। शहर में यातायात पुलिस का अभियान निरंतर सवालों के घेरे में आते रहा है। हर बार अभियान के तौर पर चलाए जाने वाले कार्रवाई में शिकार निर्दोष बनते रहे है जबकि नियमों की धज्जियां उड़ाकर वाहन चलाने वाले चार पहिया और ऑटो रिक्शा पर बड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती। वहीं इन वाहनों की वजह से सबसे व्यस्तम चौराहे जय स्तंभ चौक, फूल चौक, तात्यापारा, कचहरी चौक, तेलीबांधा चौक समेत दर्जनों स्थान पर जाम लगने की शिकायतें होती है। वहीं पिछले दिनों यातायात पुलिसने स्कूली छात्र-छात्राओं के खिलाफ अभियान चलाया। इस अभियान में स्कूली बच्चों को दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ा गया। आखिरकार बच्चों की एक गलती पर पुलिस का अभियान चल पड़ता है वहीं रोजाना दर्जनों गलती करने वाले चार पहिया वाहन चालकों पर यातायात विभाग की निगाहें नहीं पड़ती। प्राय: यह देखने में आ रहा है कि विभाग शहर के चुनिंदा चौक-चौराहों पर ही जवानों की फौज लेकर कार्रवाई करता है। लेकिन जिन स्थानों पर यातायात की अधिक समस्याएं है उन स्थानों पर कोई बड़ी कार्रवाई या अभियान नहीं चलाया जाता। लिहाजा यातायात विभाग की शिकायतों को लेकर पालक परेशान है। वहीं ऐसे कई चार पहिया वाहन चालक है जो शहर में फर्जी तरीके से वाहनों को

चुनिंदा चौक पर चलते है अभियान

बेतरतीब ढंग से चलने वाले ऑटो रिक्शा पर कार्रवाई नहीं

दौड़ा रहे हैं इसके अलावा कई बार दुर्घटना के समय यह सवाल सामने रहे कि यहां पर यातायात का जवान तैनात रहता तो संभव था कि दुर्घटना टाली जा सकती थी। चालान वसूली के लिए अभियान चलाने वाले विभाग को एक चिंतन भी करना पड़ेगा की नगर को लगने वाले जाम की समस्या से किस प्रकार निजात दिलाई जा सके।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों यातायात विभाग की स्कूली बच्चों के खिलाफ कार्रवाई चली। जिसमें कालीबाड़ी चौक, बूढ़ापारा चौक, मोतीबाग चौक के साथ स्कूल पार्किंगों में जांच अभियान चलाकर कार्रवाईयां की गई। कई दफे कालीबाड़ी चौराहे पर ऐसे नजारे आम रहे जिसमें बच्चों को यातायात के जवान दौड़ा-दौड़ाकर पकड़ रहे थे। क्या वे बच्चे अपराधी है जो उनके खिलाफ ऐसी कार्रवाईयां चलाई जाती है परंतु यह सच मानना पड़ेगा कि बच्चों के पालक दोषी है जो उन बच्चों को छोटी उम्र में बड़े वाहन देकर स्कूली भेजा करते है। ऐसे में बच्चों पर कम पालकों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए जो विभाग नहीं कर पाता है। इसके अलावा टैक्सी के रूप में चलने वाले हर वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करते पाया जाता है। खासतौर चार पहिया वाहन चालक सिंगनल की अनदेखी कर आगे बढ़ जाते है। मोबाइल में बाते करते हुए ड्राइविंग करते है। गलत स्थानों पर वाहनों की पार्किंग करते है। अत्यधिक रफ्तार से वाहनों को चलाते है। जिन पर कार्रवाई नहीं की जाती। सवाल यह उठते है कि भीड़ भाड़ वाले इलाकों में यातायात की जवान क्यों दिखलाई नहीं पड़ते। गोलबाजार, जय स्तंभ चौक, सदरबाजार, फूल चौक, पंडरी कपड़ा मार्केट, लोधीपारा चौक इत्यादि जगहों पर कई बार वाहन जाम लगने की जानकारियां आई है। यहां तक की इन भीड़ भरे स्थानों का फायदा उठाकर आरोपी भाग जाया करते है। वहीं वाहन जाम में फंसने के कारण चालकों को झगड़ते भी देखा जाता है। फिर भी विभाग ऐसे स्थानों पर कार्रवाई को लेकर मौन है।

आउटर में जवान करते है वसूली

यातायात विभाग के जवानों को कई बार ऐसे स्थानों पर चालान वसूली करते देखा गया है जहां पर यातायात काफी कम रहता है। मसलन नया रायपुर, एयरपोर्ट रोड, काठाडीह मार्ग आदि जगह है जहां एक जवान अकेले ही चालान की कार्रवाई कर वसूली करते देखे गए है। यहां तक कि सूनसान जगहों में विशेष कर मजनुओं से वसूली अधिक की जाती है।